भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **1628**

जिसका उत्तर शुक्रवार, 16 दिसम्बर, 2022/25 अग्रहायण, 1944 (शक) को दिया जाना है।

यूरिया की मांग

1628. श्री सुधीर गुप्ता:
श्री रवि किशन:
श्री सुब्रत पाठक:
श्री रविन्दर कुशवाहा:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री मनोज तिवारी:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में यूरिया और उत्पादित यूरिया की वर्तमान मांग कितनी है और अन्य देशों से आयातित यूरिया की मात्रा कितनी है;
(ख) क्या रबी सीजन के दौरान देश में किसानों को यूरिया की कमी का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश में यूरिया की कमी को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(ग) क्या सरकार ने देश में यूरिया के आयात को रोकने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है और उक्त लक्ष्य कब तक प्राप्त किए जाने की संभावना है;
(ड.) देश में नैनो डीएपी के उत्पादन की वर्तमान स्थिति क्या है; और
(च) क्या सरकार ने नैनो डीएपी का कोई क्षेत्र-परीक्षण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(भगवंत खुबा)

(क): चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 मौसम हेतु यूरिया की आवश्यकता, उत्पादन और आयात निम्नानुसार है:-

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान यूरिया की स्थिति			
			<आंकड़े एलएमटी में>
क्र.सं.	वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु आवश्यकता	वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु लक्ष्य उत्पादन	नवम्बर, 2022 तक वास्तविक आयात
1	361.41 *	317.01	46.14
* डीएएण्डएफडब्ल्यू से प्राप्त पत्र के अनुसार संशोधित आवश्यकता सहित			

(ख): जी, नहीं। चालू रबी 2022-23 में यूरिया की उपलब्धता सहज रही है।

(ग) और (घ): यूरिया हेतु मांग (आवश्यकता) और उत्पादन के बीच के अंतर को आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है। मौसम हेतु आयात की योजना समय से पहली ही तैयार कर ली जाती है ताकि समय पर उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 (नवम्बर तक) में आयातित यूरिया की मात्रा उपर्युक्त बिन्दु (क) के अनुसार है।

(ड.) और (च): इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको) और कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड (सीआईएल) ने नैनो डीएपी तैयार की है और चयनित आईसीएआर संस्थानों/एसएयूज में चुनी हुई फसलों पर प्राथमिक खेत परीक्षण संचालित किये हैं। रिपोर्ट से पता चला है कि बीज उपचार और पर्ण (फोलियर) अनुप्रयोग के रूप में नैनो डीएपी के उपयोग से, परम्परागत रूप से अनुप्रयुक्त दानेदार डीएपी की बचत की संभावना होती है।

****